राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर के अन्तर्गत

स्नातक स्तर के नियमित पाठ्यक्रम

गायन/स्वरवाद्य

संगीत संकाय

आवश्यक निर्देश :–

1. इस पाठ्यक्रम को केवल वर्ष 2013 में प्रवेश लेने वाले छात्र ही देखें। वर्ष 2013 के पूर्व प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी पुराने पाठ्यक्रम (ओल्ड सेलैबस) के कॉलम में देखें। क्योंकि वर्ष–2013 के पाठ्यक्रम और स्कीम(परीक्षा अंकन योजना) में परिवर्तन हुआ है।
2. वर्ष–2013 में बी.म्यूज. 3 वर्ष का हो गया है, इसके पूर्व चार वर्ष का था।
3. वर्ष–2013 से पूर्व में एम.म्यूज/एम.ए. के पाठ्यक्रम के प्रत्येक वर्ष में थ्योरी के 6 प्रश्न पत्र थे वर्तमान में मात्र 4 प्रश्न पत्र हो गये है।
4. गायन के शिक्षक तबले के प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर के सहायक विषय(गायन) को, तबले के पाठ्यक्रम (सेलैबस) में देखें, तथा तबले के शिक्षक गायन के प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर के सहायक विषय(तबला) को, गायन के पाठ्यक्रम (सेलैबस) में देखें।
5. वर्ष 2013 में सहायक विषयों के लिखित प्रश्नपत्र हटाकर मात्र प्रायोगिक पक्ष 50 नम्बर का रखा गया है।
6. वर्ष 2013 में स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा आदि सभी प्रकार के कोर्सों में आन्तरिक मूल्यांकन 50 नम्बर का नया स्कीम शुरू हुआ है। जिसमें कक्षा में सीखे पढ़े सांगीतिक नोट्स की फाईल और सांगीतिक कार्यक्रमों की रिपोर्ट फाइल दो अलग–2 बाह्य परीक्षक के समक्ष आन्तरिक परीक्षक को दिखाना है। फिर आन्तरिक परीक्षक उस फाईल को देखकर नम्बर चढ़ाकर फाईल विद्यार्थी को वापस देगा।
7. बी.ए. आनर्स का आन्तरिक मूल्यांकन तीनों विषयों के कक्षाध्यापक की कमेटी बनाकर अपने–अपने विषयों की फाईल देखकर संयुक्त रूप से नम्बर चढ़ायेंगे।
8. वर्ष 2013 में पाश्चात्य संगीत गिटार एवं कीबोर्ड तथा सुगम संगीत एवं लोकसंगीत में भी डिप्लोमा कोर्स संचालित किये गये हैं।

कृपया उपर्युक्त निर्देशों को ध्यान से पढ़कर इनके अनुसार पाठ्यक्रम का संचालन किया जाये अन्यथा इस विषय पर कोई तकनीकी परेशानी होने पर वि.वि. जिम्मेदार नहीं होगा।

अनुक्रमणिका

परिशिष्ठ क्रमांक	पाठ्यक्रम
	कक्ष संचालन व्याख्यान कैलेण्डर
परिशिष्ठ कं. 01	बी. म्यूज गायन एवं स्वर वाद्य
परिशिष्ठ कं. 02	बी.ए. गायन एवं स्वर वाद्य
परिशिष्ठ कं. 03	बी.ए. आनर्स गायन एवं स्वर वाद्य
	परीक्षा अंकन योजना
परिशिष्ठ कं. 04	बी. म्यूज गायन एवं स्वर वाद्य
परिशिष्ठ कं. 05	बी.ए. गायन एवं स्वर वाद्य
परिशिष्ठ कं. 06	बी.ए. आनर्स गायन एवं स्वर वाद्य
	स्नातक स्तर के नियमित पाठ्यक्रम
परिशिष्ठ क.–07	बी. म्यूज – प्रथम वर्ष सेमेस्टर 01 गायन एवं स्वर वाद्य
परिशिष्ठ क.–08	बी. म्यूज – प्रथम वर्ष सेमेस्टर 01 सहायक विषय तबला (प्रायोगिक)
परिशिष्ठ क.–09	बी. म्यूज – प्रथम वर्ष सेमेस्टर 02 गायन एवं स्वर वाद्य
परिशिष्ठ क.–10	बी. म्यूज – प्रथम वर्ष सेमेस्टर 02 सहायक विषय तबला (प्रायोगिक)
परिशिष्ठ क.–11	बी. म्यूज – द्वितीय वर्ष सेमेस्टर 03 गायन एवं स्वर वाद्य
परिशिष्ठ क.–12	बी.म्यूज–द्वितीय वर्ष सेमेस्टर 03 सहायक विषय सुगम संगीत(प्रायोगिक)
परिशिष्ठ क.–13	बी. म्यूज – द्वितीय वर्ष सेमेस्टर 04 गायन एवं स्वर वाद्य
परिशिष्ठ क.–14	बी.म्यूज–द्वितीय वर्ष सेमेस्टर 04सहायक विषय लोक संगीत(प्रायोगिक)
परिशिष्ठ क.–15	बी. म्यूज – तृतीय वर्ष सेमेस्टर 05 गायन एवं स्वर वाद्य
परिशिष्ठ क.–16	बी. म्यूज – तृतीय वर्ष सेमेस्टर 06 गायन एवं स्वर वाद्य
परिशिष्ठ क.–17	बी.ए. – प्रथम वर्ष सेमेस्टर 01 गायन एवं स्वर वाद्य
परिशिष्ठ क.–18	बी.ए. – प्रथम वर्ष सेमेस्टर 02 गायन एवं स्वर वाद्य
परिशिष्ठ क.–19	बी.ए.– द्वितीय वर्ष सेमेस्टर 03 गायन एवं स्वर वाद्य

परिशिष्ठ क्र.–20	बी.ए.– द्वितीय वर्ष सेमेस्टर 04 गायन एवं स्वर वाद्य
परिशिष्ठ क्र.–21	बी.ए. – तृतीय वर्ष सेमेस्टर 05 गायन एवं स्वर वाद्य
परिशिष्ठ क्र.–22	बी.ए.– तृतीय वर्ष सेमेस्टर 06 गायन एवं स्वर वाद्य
परिशिष्ठ क्र.–23	बी.ए. आनर्स.– प्रथम वर्ष सेमेस्टर 01 गायन एवं स्वर वाद्य
परिशिष्ठ क्र.–24	बी.ए. आनर्स.–प्रथम वर्ष सेमेस्टर 02 गायन एवं स्वर वाद्य
परिशिष्ठ क्र.–25	बी.ए. आनर्स. – तृतीय वर्ष सेमेस्टर 05 गायन एवं स्वर वाद्य
परिशिष्ठ क्र.–26	बी.ए. आनर्स. – तृतीय वर्ष सेमेस्टर 06 गायन एवं स्वर वाद्य

परिशिष्ठ क.–1

CLASS SCHEDULE LECTURE LIST

Bachelor of music & Dance Monsoon Semester 20 Weeks / 380 Teaching Hours:

Semester:	Paper:	Title:	Credits:	Subject Nature:	Hours/ Week	Hours/ Semester
1	1	(ENTREPRENEURSHIP) (Foundation)	3 (3 + 0)	Theory	3	60
1	2	Hindi (Foundation)	3 (3 + 0)	Theory	3	60
1	3	(Main subject) Learning Hindustani Music Vocal **OR** Learning Hindustani Music Instrumental Any one from the following – Violin,sitar,Flute,and Tabla/ PAKHAWAJ **OR** Learning Indian Classical Dance (Kathak,Bharatnatyam)	10 (2 + 8)	Theory + Practical	10	200
1	4	Subsidiary Tabla/Vocal (Beginner's level Practical)	3 (0 + 3)	Practical	3	60
Total:						**380**

Bachelor of music & Dance Spring Semester 16 Weeks /304 Teaching Hours:

Semester:	Paper:	Title:	Credits:	Subject Nature:	Hours/ Week	Hours/ Semester
2	1	(ENTREPRENEURSHIP) (Foundation)	3 (3 + 0)	Theory	3	48
2	2	English (Foundation)	3 (3 + 0)	Theory	3	48
2	3	(Main subject)Learning Hindustani Music Vocal. **OR** Learning Hindustani Music Instrumental Any one from the following – Violin,sitar, Flute, and Tabla / PAKHAWAJ **OR** Learning Indian Classical Dance(Kathak,Bharatnatyam)	10(2 + 8)	Theory + Practical	10	160
2	4	Subsidiary Tabla/VOCAL	3 (0 + 3)	Practical	3	48
Total:						**304**

Bachelor of music & Dance Monsoon Semester 20 Weeks / 380 Teaching Hours:

Semester:	Paper:	Title:	Credits:	Subject Nature:	Hours/ Week	Hours/ Semester
3	1	ENVIRONMENTAL STUDY (Foundation)	3 (3 + 0)	Theory	3	60
3	2	Hindi (Foundation)	3 (3 + 0)	Theory	3	60
3	3	(Main subject)Hindustani Music Vocal **OR** Learning Hindustani Music Instrumental Any one from the following – Violin,sitar, Flute, and Tabla/ PAKHAWAJ **OR** Learning Indian Classical Dance (Kathak, Bharatnatyam)	10(2+8)	Theory + Practical	10	200
3	4	Subsidiary Introduction to Indian light Vocal music	3 (0 + 3)	Practical	3	60
Total:						**380**

Bachelor of music & Dance Spring Semester 16 Weeks / 304 Teaching Hours:

Semester:	Paper:	Title:	Credits:	Subject Nature:	Hours/ Week	Hours/ Semester
4	1	ENVIRONMENTAL STUDY (Foundation)	3 (3 + 0)	Theory	3	48
4	2	English (Foundation)	3 (3 + 0)	Theory	3	48
4	3	(Main subject)Hindustani Music Vocal **OR** Learning Hindustani Music Instrumental Any one from the following – Violin, sitar, Flute, and Tabla/ PAKHAWAJ **OR** Learning Indian Classical Dance(Kathak,Bharatnatyam)	10(2+8)	Theory + Practical	10	160
4	4	Subsidiary Introduction to Indian Folk Music	3 (0 + 3)	Practical	3	48
Total:						**304**

Bachelor of music & Dance Monsoon Semester 20 Weeks / 320 Teaching Hours:

Semester:	Paper:	Title:	Credits:	Subject Nature:	Hours /Week	Hours/ Semester
5	1	computer(Foundation)	3 (3+ 0)	Theory	3	60
5	2	Theory of Indian Classical Music	3(3+ 0)	Theory	3	60
5	3	(Main subject) Hindustani Music Vocal **OR** Learning Hindustani Music Instrumental Any one from the following – Violin, sitar, Flute, and Tabla/ PAKHAWAJ **OR** Learning Indian Classical Dance(Kathak,Bharatnatyam)	10(2+8)	Applied Theory + practical	10	200
Total:						**320**

Bachelor of music & Dance Spring Semester 16 Weeks / 256 Teaching Hours:

Semester:	Paper:	Title:	Credits:	Subject Nature:	Hours /Week	Hours/ Semester
6	1	computer(Foundation)	3 (3+ 0)	Theory	3	48
6	2	Theory of Indian Classical Music	3(3+ 0)	Theory	3	48
6	3	(Main subject) Hindustani Music Vocal. **OR** Learning Hindustani Music Instrumental Any one from the following – Violin,sitar, Flute, and Tabla/PAKHAWAJ **OR** Learning Indian Classical Dance(Kathak, Bharatnatyam)	10(2+8)	Applied Theory + practical	10	160
Total:						**256**

परिशिष्ठ क्र.–2

CLASS SCHEDULE LECTURE LIST

B.A. music & Dance Monsoon Semester 20 Weeks / 480 Teaching Hours:

Semester:	Paper:	Title:	Credits:	Subject Nature:	Hours/ Week	Hours/ Semester
1	1	ENTREPRENEURSHIP (Foundation)	3 (3 + 0)	Theory	3	60
1	2	Hindi (Foundation)	3 (3 + 0)	Theory	3	60
1	3	Learning Hindustani Music Vocal **OR** Learning Hindustani Music Instrumental Any one from the following –Violin,sitar,Flute, and Tabla /PAKHAWAJ **OR** Learning Indian Classical Dance (Kathak/ Bharatnatyam)	06(1 + 5)	Theory + Practical	6	120
1	4	**LITERATURE** Hindi/ English	6 (0 + 6)	Theory	6	120
1	5	**SOCIAL SCIENCE** (HISTORY/PHILOSOPHY)	6 (0 + 6)	Theory	6	120
Total:						**480**

B.A. music & Dance Spring Semester 16 Weeks /384 Teaching Hours:

Semester:	Paper:	Title:	Credits:	Subject Nature:	Hours/ Week	Hours/ Semester
2	1	ENTREPRENEURSHIP (Foundation)	3 (3 + 0)	Theory	3	48
2	2	English (Foundation)	3 (3 + 0)	Theory	3	48
2	3	Learning Hindustani Music Vocal **OR** Learning Hindustani Music Instrumental Any one from the following–Violin,sitar,Flute and Tabla/ PAKHAWAJ **OR** Learning Indian Classical Dance (Kathak/ Bharatnatyam)	06(1 + 5)	Theory + Practical	6	96
2	4	**LITERATURE** Hindi/ English	6 (0 + 6)	Theory	6	96
2	5	**SOCIAL SCIENCE** (HISTORY/PHILOSOPHY)	6 (0 + 6)	Theory	6	96
Total:						**384**

B.A. music & Dance Monsoon Semester 20 Weeks / 480 Teaching Hours:

Semester:	Paper:	Title:	Credits:	Subject Nature:	Hours /Week	Hours/ Semester
3	1	ENVIRONMENTAL STUDY (Foundation)	3 (3 + 0)	Theory	3	60
3	2	Hindi (Foundation)	3 (3 + 0)	Theory	3	60
3	3	Learning Hindustani Music Vocal **OR** Learning Hindustani Music Instrumental Any one from the following – Violin, sitar, Flute, and Tabla /PAKHAWAJ **OR** Learning Indian Classical Dance (Kathak/ Bharatnatyam)	06(1 + 5)	Theory + Practical	6	120
3	4	**LITERATURE** Hindi/ English	6 (0 + 6)	Theory	6	120
3	5	**SOCIAL SCIENCE** (HISTORY/PHILOSOPHY)	6 (0 + 6)	Theory	6	120
Total:						**480**

B.A. music & Dance Spring Semester 16 Weeks / 384 Teaching Hours:

Semester:	Paper:	Title:	Credits:	Subject Nature:	Hours /Week	Hours/ Semester
4	1	ENVIRONMENTAL STUDY (Foundation)	3 (3 + 0)	Theory	3	48
4	2	English (Foundation)	3 (3 + 0)	Theory	3	48
4	3	Learning Hindustani Music Vocal **OR** Learning Hindustani Music Instrumental Any one from the following – Violin, sitar, Flute and Tabla /PAKHAWAJ **OR** Learning Indian Classical Dance (Kathak/ Bharatnatyam)	06(1 + 5)	Theory + Practical	6	96
4	4	**LITERATURE** Hindi/ English	6 (0 + 6)	Theory	6	96
4	5	**SOCIAL SCIENCE** (HISTORY/PHILOSOPHY)	6 (0 + 6)	Theory	6	96
Total:						**384**

B.A. music & Dance Monsoon Semester 20 Weeks / 480 Teaching Hours:

Semester:	Paper:	Title:	Credits:	Subject Nature:	Hours /Week	Hours/ Semester
5	1	computer(Foundation)	3 (3+ 0)	Theory	3	60
5	2	Hindi (Foundation)	3 (3 + 0)	Theory	3	60
5	3	Learning Hindustani Music Vocal **OR** Learning Hindustani Music Instrumental Any one from the following – Violin, sitar,Flute,and Tabla/ PAKHAWAJ **OR** Learning Indian Classical Dance (Kathak/ Bharatnatyam)	06(1 + 5)	Theory + Practical	6	120
5	4	**LITERATURE** Hindi/ English	6 (0 + 6)	Theory	6	120
5	5	**SOCIAL SCIENCE** (HISTORY/PHILOSOPHY)	6 (0 + 6)	Theory	6	120
Total:						**480**

B.A. music & Dance Spring Semester 16 Weeks / 384 Teaching Hours:

Semester:	Paper:	Title:	Credits:	Subject Nature:	Hours /Week	Hours/ Semester
6	1	computer(Foundation)	3 (3+ 0)	Theory	3	48
6	2	English (Foundation)	3 (3 + 0)	Theory	3	48
6	3	Learning Hindustani Music Vocal **OR** Learning Hindustani Music Instrumental Any one from the following – Violin, sitar, Flute and Tabla /PAKHAWAJ **OR** Learning Indian Classical Dance (Kathak/ Bharatnatyam)	06(1 + 5)	Theory + Practical	6	96
6	4	**LITERATURE** Hindi/ English	6 (0 + 6)	Theory	6	96
6	5	**SOCIAL SCIENCE** (HISTORY/PHILOSOPHY)	6 (0 + 6)	Theory	6	96
Total:						**384**

परिशिष्ठ क्र.–3

CLASS SCHEDULE LECTURE LIST

B.A. HONRS Monsoon Semester 20 Weeks / 480 Teaching Hours:

Semester:	Paper:	Title:	Credits:	Subject Nature:	Hours/ Week	Hours/ Semester
1	1	ENTREPRENEURSHIP (Foundation)	3 (3 + 0)	Theory	3	60
1	2	Hindi (Foundation)	3 (3 + 0)	Theory	3	60
1	3	Learning Hindustani Music Vocal /Instrumental Any one from the following –Violin, Sitar, Flute,	06(1 + 5)	Theory + Practical	6	120
1	4	Learning Indian Classical Dance (Kathak / Bharatnatyam)	06(1 + 5)	Theory + Practical	6	120
1	5	PAINTING	6 (1 + 5)	Theory	6	120
Total:						**480**

B.A. HONRS Spring Semester 16 Weeks /384 Teaching Hours:

Semester:	Paper:	Title:	Credits:	Subject Nature:	Hours/ Week	Hours/ Semester
2	1	ENTREPRENEURSHIP (Foundation)	3 (3 + 0)	Theory	3	48
2	2	English (Foundation)	3 (3 + 0)	Theory	3	48
2	3	Learning Hindustani Music Vocal /Instrumental Any one from the following – Violin,sitar,Flute,	06(1 + 5)	Theory + Practical	6	96
2	4	Learning Indian Classical Dance (Kathak/ Bharatnatyam)	06(1 + 5)	Theory + Practical	6	96
2	5	PAINTING	06 (1 + 5)	Theory	6	96
Total:						**384**

B.A. HONRS Monsoon Semester 20 Weeks / 480 Teaching Hours:

Semester:	Paper:	Title:	Credits:	Subject Nature:	Hours /Week	Hours/ Semester
3	1	ENVIRONMENTAL STUDY (Foundation)	3 (3 + 0)	Theory	3	60
3	2	Hindi (Foundation)	3 (3 + 0)	Theory	3	60
3	3	Learning Hindustani Music TABLA/PAKHAWAJ	06(1 + 5)	Theory+ Practical	6	120
3	4	THEATRE	06(1 + 5)	Theory+ Practical	6	120
3	5	SCULPTURE	06 (1 + 5)	Theory	6	120
Total:						**480**

B.A. HONRS Spring Semester 16 Weeks / 384 Teaching Hours:

Semester:	Paper:	Title:	Credits:	Subject Nature:	Hours /Week	Hours/ Semester
4	1	ENVIRONMENTAL STUDY (Foundation)	3 (3 + 0)	Theory	3	48
4	2	English (Foundation)	3 (3 + 0)	Theory	3	48
4	3	Learning Hindustani Music TABLA/PAKHAWAJ	06(1 + 5)	Theory+ Practical	6	96
4	4	THEATRE	06(1 + 5)	Theory+ Practical	6	96
4	5	APPLIED ART	6 (1 + 5)	Theory	6	96
Total:						**384**

B.A. HONRS Monsoon Semester 20 Weeks / 380 Teaching Hours:

Semester:	Paper:	Title:	Credits:	Subject Nature:	Hours /Week	Hours/ Semester
5	1	Computer(Foundation)	3 (3+ 0)	Theory	3	60
5	2	Hindi (Foundation)	3 (3 + 0)	Theory	3	60
5	3	Theory of Indian Classical Music	3(3+ 0)	Theory	3	60
5	4	Learning Hindustani Music Vocal **OR** Learning Hindustani Music Instrumental Any one from the following – Violin, sitar,Flute,and Tabla PAKHAWAJ **OR** Learning Indian Classical Dance (Kathak/ Bharatnatyam) **OR** THEATRE/ PAINTING/ SCULPTURE/ APPLIED ART	10(2+8)	Applied Theory + practical	10	200
Total:						**380**

B.A.HONRS Spring Semester 16 Weeks /304 Teaching Hours:

Semester:	Paper:	Title:	Credits:	Subject Nature:	Hours /Week	Hours/ Semester
6	1	Computer(Foundation)	3 (3+ 0)	Theory	3	48
	2	English (Foundation)	3 (3 + 0)	Theory	3	48
6	2	Theory of Indian Classical Music	3(3+ 0)	Theory	3	48
6	3	Learning Hindustani Music Vocal **OR** Learning Hindustani Music Instrumental Any one from the following – Violin, sitar, Flute and Tabla/ PAKHAWAJ **OR** Learning Indian Classical Dance (Kathak/ Bharatnatyam) **OR** THEATRE/ PAINTING/ SCULPTURE/ APPLIED ART	10(2+8)	Applied Theory + practical	10	160
Total:						**304**

Note :-

1. **This formate will be affective in all foundation, subsidary and main subject of university in all bechlor, s master's degree and equalent courses run by the University.**
2. **According to the norms of the UGC, every Assistant professor shall have to take maximum 16 credit classes weekly essentially.**
3. **All practical and theory Exams of monsoon semester should get over by 12th December and spring semester by 10th may respectively.**

परिशिष्ठ क्र.–04

MARKING SCHEME OF EXAMINATION

B.MUS. (I YEAR) I –SEMESTER

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**ENTREPRENEURSHIP (Foundation)**	42	14	8	3	50
2	**HINDI (Foundation)**	42	14	8	3	50
3	**VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)**					
	THEORY- science of music and discription study of Ragas	85	28	15	5	100
	PRACTICAL Demonstration and viva	200	66			200
4	**TABLA (subsidiary) PRACTICAL** Demonstration and viva	50	17			50
5	**INTERNAL ASSESSMENT (Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					**500**

B.MUS. (I YEAR)I I-SEMESTER

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**ENTREPRENEURSHIP (Foundation)**	42	14	8	3	50
2	**ENGLISH (Foundation)**	42	14	8	3	50
3	**VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)**					
	THEORY- Applied principle of music	85	28	15	5	100
	PRACTICAL Demonstration and viva	200	66			200
4	**TABLA (subsidiary) PRACTICAL** Demonstration and viva	50	17			50
5	**INTERNAL ASSESSMENT (Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					**500**

B.MUS.(II YEAR) III-SEMESTER

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**ENVIRONMENTAL STUDY (Foundation)**	42	14	8	3	50
2	**HINDI (Foundation)**	42	14	8	3	50
3	**VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)**					
	THEORY- History of music and study of Ragas	85	28	15	5	100
	PRACTICAL- Demonstration and viva	200	66			200
4	**LIGHT MUSIC (subsidiary) PRACTICAL** Demonstration and viva	50	17			50
5	**INTERNAL ASSESSMENT (Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					**500**

B.MUS. (II YEAR) (IV-SEMESTER)

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**ENVIRONMENTAL STUDY** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
2	**ENGLISH** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
3	**VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION) -**					
	Theory- Music theory and study of Ragas	85	28	15	5	100
	PRACTICAL Demonstration and viva	200	66			200
4	**FOLK MUSIC** (subsidiary) PRACTICAL Demonstration and viva	50	17			50
5	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					**500**

B.MUS. (III YEAR) (V- SEMESTER)

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**Computer** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
2	**VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)**					
	THEORY-I History of Music	63	21	12	4	75
	THEORY-II Study of style Ragas and Talas	63	21	12	4	75
	PRACTICAL-I Demonstration and viva	150	50			150
	PRACTICL-II STAGE PERFORMANCE	100	33			100
3	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					**500**

B.MUS. (III YEAR) (VI-SEMESTER)

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**Computer** (Foundation)	42	14	8	3	50
2	**VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)**					
	THEORY-I General study of music systems	63	21	12	4	75
	THEORY-II General study of Music styles , Gharanas and Ragas	63	21	12	4	75
	PRACTICAL-I Demonstration and viva	150	50			150
	PRACTICL-II STAGE PERFORMANCE	100	33			100
3	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					**500**

परिशिष्ठ क्र.–05

MARKING SCHEME

B.A. (IYEAR) (I- SEMESTER)

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**ENTREPRENEURSHIP** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
2	**HINDI** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
3	**VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)**					
	THEORY- science of music and discription study of Ragas	42	14	8	3	50
	PRACTICAL Demonstration and viva	100	33			100
4	**LITERATURE** (HINDI/ENGLISH/SANSKRIT)	85	28	15	5	100
5	**SOCIAL SCIENCE** (HISTORY/PHILOSOPHY)	85	28	15	5	100
6	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					**500**

B.A. (IYEAR) II -SEMESTER

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**ENTREPRENEURSHIP** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
2	**ENGLISH** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
3	**VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)**					
	THEORY- Applied principle of music	42	14	8	3	50
	PRACTICAL Demonstration and viva	100	33			100
4	**LITERATURE** (HINDI/ENGLISH/SANSKRIT)	85	28	15	5	100
5	**SOCIAL SCIENCE** (HISTORY/PHILOSOPHY)	85	28	15	5	100
6	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					**500**

B.A.(IIYEAR) III- SEMESTER

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**ENVIRONMENTAL STUDY** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
2	**HINDI** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
3	**VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)**					
	THEORY- History of music and study of Ragas	42	14	8	3	50
	PRACTICAL- Demonstration and viva	100	33			100
4	**LITERATURE** (HINDI/ENGLISH/SANSKRIT)	85	28	15	5	100
5	**SOCIAL SCIENCE** (HISTORY/PHILOSOPHY)	85	28	15	5	100
6	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					**500**

B.A.(IIYEAR) IV- SEMESTER

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**ENVIRONMENTAL STUDY** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
2	**ENGLISH** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
3	**VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION) -**					
	Theory- Music theory and study of Ragas	42	14	8	3	50
	PRACTICAL Demonstration and viva	100	33			100
4	**LITERATURE** (HINDI/ENGLISH/SANSKRIT)	85	28	15	5	100
5	**SOCIAL SCIENCE** (HISTORY/PHILOSOPHY)	85	28	15	5	100
6	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					500

B.A.(III YEAR) V- SEMESTER

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**COMPUTER** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
2	**HINDI** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
3	**VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)**					
	THEORY- History of Music	42	14	8	3	50
	PRACTICAL Demonstration and viva	100	33			100
4	**LITERATURE** (HINDI/ENGLISH/SANSKRIT)	85	28	15	5	100
5	**SOCIAL SCIENCE** (HISTORY/PHILOSOPHY)	85	28	15	5	100
6	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					500

B.A.(III YEAR) VI -SEMESTER

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**COMPUTER** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
2	**ENGLISH** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
3	**VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)**					
	THEORY- General study of music systems and Ragas	42	14	8	3	50
	PRACTICAL Demonstration and viva	100	33			100
4	**LITERATURE** (HINDI/ENGLISH/SANSKRIT)	85	28	15	5	100
5	**SOCIAL SCIENCE** (HISTORY/PHILOSOPHY)	85	28	15	5	100
6	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					500

परिशिष्ठ क्र.–06

MARKING SCHEME

B.A. HONRS. (I YEAR) (I SEMESTER)

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**ENTREPRENEURSHIP** (Foundation)	42	14	8	3	50
2	**HINDI** (Foundation)	42	14	8	3	50
3	**VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)**					
	THEORY- science of music and discription study of Ragas	42	14	8	3	50
	PRACTICAL Demonstration and viva	100	33			100
4	**KATHAK DANCE THEORY** History and Devlopment of Indian dance and Applied principle	42	14	8	3	50
	PRACTICAL Demonstration and viva	100	33			100
5	**PAINTING** THEORY-	42	14	8	3	50
	PRACTICAL Demonstration and viva	100	33			100
6	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					**600**

B.A. HONRS. (IYEAR) (II SEMESTER)

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**ENTREPRENEURSHIP** (Foundation)	42	14	8	3	50
2	**ENGLISH** (Foundation)	42	14	8	3	50
3	**VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)**					
	THEORY- Applied principle of music	42	14	8	3	50
	PRACTICAL Demonstration and viva	100	33			100
4	**KATHAK DANCE THEORY-** History and Devlopment of Indian dance and Applied principle	42	14	8	3	50
	PRACTICAL Demonstration and viva	100	33			100
5	**PAINTING** **THEORY-**	42	14	8	3	50
	PRACTICAL Demonstration and viva	100	33			100
6	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					**600**

B.A. HONRS. (II YEAR) (III SEMESTER)

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**ENVIRONMENTAL STUDY** (Foundation)	42	14	8	3	50
2	**HINDI** (Foundation)	42	14	8	3	50
3	**TABLA** **THEORY-**	42	14	8	3	50
	PRACTICAL Demonstration and viva	100	33			100
4	**THEATRE** **THEORY-**	42	14	8	3	50
	PRACTICAL Demonstration and viva	100	33			100
5	**SCULPTURE** **THEORY-**	42	14	8	3	50
	PRACTICAL Demonstration and viva	100	33			100
6	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					**600**

B.A. HONRS. (II YEAR) (IV SEMESTER)

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**ENVIRONMENTAL STUDY** (Foundation)	42	14	8	3	50
2	**ENGLISH** (Foundation)	42	14	8	3	50
3	**TABLA** **THEORY-**	42	14	8	3	50
	PRACTICAL Demonstration and viva	100	33			100
4	**THEATRE** **THEORY-**	42	14	8	3	50
	PRACTICAL Demonstration and viva	100	33			100
5	**APPLIED ART** **THEORY-**	42	14	8	3	50
	PRACTICAL Demonstration and viva	100	33			100
6	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					**600**

B.A. HONRS. (III YEAR) (V SEMESTER)

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**COMPUTER** (Foundation)	42	14	8	3	50
2	**HINDI** (Foundation)	42	14	8	3	50
3	**VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)**					
	THEORY- I History of Music	42	14	8	3	50
	THEORY-II Study of style Ragas and Talas	42	14	8	3	50
	PRACTICAL-I Demonstration and viva	200	66			200
	PRACTICL-II STAGE PERFORMANCE	150	50			150
4	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					**600**

B.A. HONRS. (III YEAR) (VI SEMESTER)

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**COMPUTER** (Foundation)	42	28	8	3	50
2	**ENGLISH** (Foundation)	42	14	8	3	50
3	**VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)**					
	THEORY-I General study of music systems	42	14	8	3	50
	THEORY-II General study of Music styles , Gharanas and Ragas	42	14	8	3	50
	PRACTICAL-I Demonstration and viva	200	66			200
	PRACTICL-II STAGE PERFORMANCE	150	50			150
4	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					**600**

परिशिष्ठ क्र.–07

बी.म्यूज. प्रथम वर्ष गायन/स्वरवाद्य
प्रथम सेमेस्टर
शास्त्र प्रश्न–पत्र
संगीत का विज्ञान एवं रागों का विवेचनात्मक अध्ययन

समय : 3 घण्टे **शास्त्र प्रश्न पत्र : 85**
सी. सी ई : 15
पूर्णांक :100

इकाई–1

1. परिभाषाएँ :– संगीत, श्रुति, स्वर (शुद्ध, विकृत), ताल सप्तक।
2. लय (विलंबित, मध्य, द्रुत), ठाह, दुगुन, मात्रा, ताल, विभाग, सम, ताली, खाली, ठेका व आवर्तन की जानकारी।

इकाई –2

1. आश्रय राग, वादी (अंश), संवादी, अनुवादी, विवादी, वर्जित स्वर, आरोह, अवरोह व राग एवं ताल की जाति का सामान्य अध्ययन।
2. संगीत में शिक्षण की विधि।

इकाई–3

1. नाद की परिभाषा, प्रकार व विशेषताएँ।
2. गायन के परीक्षार्थियों के लिये तानपुरा तथा वाद्य के परीक्षार्थियों के लिये अपने–अपने वाद्य का सामान्य परिचय तथा उनके विभिन्न अवयवों का सचित्र ज्ञान एवं उन्हें मिलाने की विधि।

इकाई–4

1. ध्रुपद, धमार, ख्याल, तराना, लक्षणगीत, स्वरमालिका (सरगम), मसीतखानीगत व रजाखानी गत का परिचय।
2. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों का वर्णन। यमन, भैरव, खमाज, दुर्गा एवं सारंग (वृन्दावनी सारंग)

इकाई–5

1. पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे का जीवन परिचय एवं संगीत के क्षेत्र में उनका योगदान।
2. पाठ्यक्रम के निर्धारित तालों को ठाह लय में लिखने का अभ्यास। (त्रिताल, एकताल, दादरा एवं कहरवा)

प्रायोगिक :- प्रदर्शन एवं मौखिक

पूर्णांक : 200

1. पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं प्रारंभिक 5 अलंकारों का अभ्यास तथा क्रमानुसार बिलावल, कल्याण, खमाज, भैरव व काफी थाटों का ज्ञान।
2. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों –यमन, भैरव, खमाज, दुर्गा (बिलावल थाट), वृन्दावनी सारंग में सरगम, लक्षणगीत एवं द्रुत ख्याल आलाप, तान सहित । वाद्य के विद्यार्थियों के लिये मसीतखानी गत (सभी रागों में) एवं रजाखानी गत (किन्हीं दो रागों में) (आलाप, तान सहित)।
3. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में एक ध्रुपद या एक धमार एवं एक तराना। वाद्य के विद्यार्थियों के लिये किसी धुन को अपने वाद्य पर प्रस्तुत करना।
4. वन्दे मातरम् का स्वरलय में गायन अथवा वादन।
5. त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा तालों का हाथ से ताली देकर प्रदर्शन तथा दुगुन का अभ्यास।

:संदर्भ ग्रंथः

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत शास्त्र दर्पण – श्री शांति गोवर्धन
4. संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
5. सितार मलिका
6. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – श्री रामाश्रय झा
7. संगीत बोध – श्री शरदचन्द्र परांजपे
8. संगीत वाद्य – श्री लालमणि मिश्र
9 .हमारे संगीत रत्न – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
10.चतुरंग – श्री सज्जनलाल भट्ट
11.संगीत शास्त्र – श्री तुलसीराम देवांगन
12.राग शास्त्र – डॉ. गीता बैनर्जी
13.संगीत मणि – डॉ. महारानी शर्मा

परिशिष्ठ क्र.–08

बी. म्यूज./बी.डांस प्रथम वर्ष
प्रथम सेमेस्टर
सहायक विषय–तबला
प्रायोगिकः- प्रदर्शन एवं मौखिक

पूर्णांक : 50

1. तबले के वर्णों की निकास विधि का समुचित तथा विभिन्न वर्णों एवं वर्ण समूहों को तबले/बांये पर बजाने का अभ्यास।
2. त्रिताल, एकताल, झपताल, रूपक, दीपचन्दी, कहरवा तथा दादरा ताल के ठेकों को हाथ से ताली देकर एकगुन, दुगुन, में पढंत करना एवं तबले पर बजाना।

3. त्रिताल में निम्नलिखित का लहरे के साथ एकल वादन :–
   1. दो कायदे – न्यूनतम चार पल्टों तथा तिहाई सहित।
   2. न्यूनतम दो मुखडे।
   3. पहली, पांचवी, नवीं तथा तेरहवीं मात्राओं से उठने वाली तिहाईयॉ बजाने की क्षमता।

4. झपताल में न्यूनतम दो तिहाईयॉ (दमदार, बेदम) बजाने तथा पढने की क्षमता।

5. कहरवा तथा दादरा ताल के ठेके के दो–दो प्रकार।

6. ठेकों के प्रकार :– त्रिताल, झपताल, रूपक।

7. गायन शैलियों के साथ तबला संगति का अभ्यास।

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास जी
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांक : 50

आवश्यक निर्देश–: ***आंतरिक मूल्यांकन*** के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखे गये रागो की स्वर लिपि/तोड़ो का विवरण
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिर्पोट

परिशिष्ठ क्र.–09

बी.म्यूज. प्रथम वर्ष गायन/स्वरवाद्य
द्वितीय सेमेस्टर
शास्त्र प्रश्न–पत्र
संगीत के कियात्मक सिद्वांत

समय : 3 घण्टे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 85
सी. सी ई : 15
पूर्णांक : 100

इकाई–1

1. मींड, कण, खटका, मुर्की, आलाप, तान, बोल (मिजराब/जवा के बोल) (प्रहार) आकर्ष (अपकर्ष), सूत, जमजमा और तोडा का पारिभाषिक परिचय।
2. दस थाटों के नाम व स्वर, राग एवं थाट का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–2

1. गायक/वादक के गुण–दोष।
2. शास्त्रीय संगीत, सुगम संगीत (भजन, गीत, गजल) एवं लोक संगीत का सामान्य ज्ञान।

इकाई–3

1. राजा मानसिंह तोमर, स्वामी हरिदास का जीवन परिचय तथा संगीत के क्षेत्र में उनका योगदान।
2. भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति का अध्ययन।

इकाई–4

1. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों का शास्त्रीय परिचय– बिलावल, अल्हैया बिलावल, भूपाली, भीमपलासी, काफी।
2. निम्नलिखित अ एवं ब को पं. विष्णु नारायण भातखण्डे पद्धति में लिखने का अभ्यास :–

   (अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिये –

   1 पाठ्यक्रम के रागों में स्वरमालिका या लक्षणगीत।

   2. पाठ्यक्रम के रागों में एक मध्य लय ख्याल।

   (ब) स्वरवाद्य के परीक्षार्थियों के लिये –

   1. पाठ्यक्रम के रागों में एक विलंबित गत या मसीतखानी गत।

   2. पाठ्यक्रम के रागों में से एक मध्य लय गत अथवा रजाखानी।

इकाई–5

1. पाठ्यक्रम के निर्धारित तालों को ठाह, लय एवं दुगुन में लिखने का अभ्यास झपताल, चौताल, धमार तथा त्रिताल।
2. लगभग 300 शब्दों में संगीत संबंधी किसी कार्यक्रम का वर्णन।

बी.म्यूज. प्रथम वर्ष गायन/स्वरवाद्य
सेमेस्टर द्वितीय प्रायोगिकः- प्रदर्शन एवं मौखिक

पूर्णांक : 200

1. पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं प्रारंभिक 5 अलंकारों का अभ्यास एवं शेष 5 थाटों का ज्ञान।
2. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में सरगम, लक्षण गीत, छोटाख्याल एवं दो बड़े ख्याल आलाप, तान सहित । वाद्य के विद्यार्थियों के लिये रजाखानी गत (कोई दो) एवं सभी रागों में मसीतखानी गत (आलाप, तान सहित)। बिलावल, अल्हैया बिलावल, भूपाली, भीमपलासी, काफी।
3. पाठ्यक्रम के निर्धारित में एक ध्रुपद या धमार, तथा एक तराना। वाद्य के विद्यार्थियों के लिये किसी एक राग में त्रिताल से भिन्न अन्य ताल में कोई रचना या धुन का अपने वाद्य पर प्रदर्शन।
4. झपताल, चौताल, धमार तथा त्रिताल का हाथ से ताली देकर प्रदर्शन तथा दुगुन या चौगुन का प्रदर्शन।
5. भजन/देशभक्ति गीत का स्वरलय में गायन अथवा वादन।

संदर्भ ग्रंथः

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत शास्त्र दर्पण – श्री शांति गोवर्धन
4. संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
5. सितार मलिका –
6. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – श्री रामाश्रय झा
7. संगीत बोध – श्री शरदचन्द्र परांजपे
8. संगीत वाद्य – श्री लालमणि मिश्र
9 .हमारे संगीत रत्न – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
10.चतुरंग – श्री सज्जनलाल भट्ट
11.संगीत शास्त्र – श्री तुलसीराम देवांगन
12.राग शास्त्र – डॉ. गीता बैनर्जी
13.संगीत मणि – डॉ. महारानी शर्मा

परिशिष्ठ क्र.–10

बी. म्यूज./बी. डांस प्रथम वर्ष
द्वितीय सेमेस्टर
सहायक विषय–तबला
प्रायोगिकः- प्रदर्शन एवं मौखिक

पूर्णांक : 50

1. तबले के वर्णों की निकास विधि।

2. निम्नलिखित तालों के ठेकों को हाथ से ताली देकर पढन्त करने तथा तबले पर बजाने का अभ्यास – त्रिताल, एकताल, झपताल, कहरवा, रूपक, दादरा।

3. त्रिताल को एकगुन, दुगुन तथा चौगुन की लयकारी में हाथ से ताली देकर पढन्त करना तथा तबले पर बजाने का अभ्यास।

4. एकताल, झपताल, रूपक, कहरवा तथा दादरा तालों की एकगुन तथा दुगुन की लयकारी में पढन्त एवं तबले पर बजाने का अभ्यास।

5. त्रिताल में निम्नलिखित का लहरे के साथ वादन तथा हाथ से ताली देकर पढन्त।
   1. तीन ताल में एक पेशकार – दो प्रकार एवं तिहाई सहित।
   2. तीन ताल में एक कायदा तथा एक रेला – चार पलटों एवं तिहाई सहित।

6. झपताल एवं रूपक में एक–एक मुखडा एवं तिहाई।

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास जी
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखे गये रागो की स्वर लिपि/तोड़ो का विवरण
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिर्पोट

परिशिष्ठ क्र.–11

बी.म्यूज. द्वितीय वर्ष गायन/स्वरवाद्य
तृतीय सेमेस्टर
शास्त्र प्रश्न–पत्र
संगीत का इतिहास एवं रागों का अध्ययन

समय : 3 घण्टे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 85
सी. सी ई : 15
पूर्णांक : 100

इकाई–1

1. भरत के अनुसार बाईस श्रुतियों में स्वर स्थापना।
2. स्थायी, अंतरा, संचारी, आभोग का अध्ययन।

इकाई–2

1 पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों का शास्त्रीय विवेचन।
2 पाठ्यक्रम के रागों की रचनाओं का भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति में लिखने का अभ्यास।

इकाई–3

1 पूर्वांग, उत्तरांग, वर्ण, अलंकार की परिभाषा।
2 अल्पत्व, बहुत्व, निबद्ध, अनिबद्ध की परिभाषा।

इकाई–4

1 संगीत की उत्पत्ति के विभिन्न मत।
2 संगीतोपयोगी ध्वनि की विशेषताएँ।

इकाई–5

1 पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर का संगीत में योगदान।
2 अमीर खुसरो एवं तानसेन का जीवन परिचय।

बी.म्यूज. द्वितीय वर्ष गायन/स्वरवाद्य
तृतीय सेमेस्टर
प्रायोगिकः- प्रदर्शन एवं मौखिक

पूर्णांक : 200

1 पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं पाठ्यक्रम के रागों में अलंकारों का अभ्यास।

2 पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों (मालकौंस, देशकार, आसावरी, रागेश्री केदार एवं हमीर) में सरगम, लक्षणगीत, द्रुत ख्याल तथा 2 विलंबित ख्याल आलाप, तान सहित ।

वाद्य के विद्यार्थियों के लिये रजाखानी गत (कोई दो) एवं मसीतखानी गत सभी रागों में (तान आलाप सहित) 3 पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में एक ध्रुपद (दुगुन सहित) तराना एवं भजन ।

वाद्य के परीक्षार्थियों के लिये त्रिताल के अलावा अन्य ताल में गत।

4 झपताल, तीनताल, चौताल, आडाचौताल तथा रूपक में दुगुन,चौगुन।

संदर्भ ग्रंथः

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत शास्त्र दर्पण – श्री शांति गोवर्धन
4. संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
5. सितार मलिका –
6. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – श्री रामाश्रय झा
7. संगीत बोध – श्री शरदचन्द्र परांजपे
8. संगीत वाद्य – श्री लालमणि मिश्र
9 .हमारे संगीत रत्न – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
10.चतुरंग – श्री सज्जनलाल भट्ट
11.संगीत शास्त्र – श्री तुलसीराम देवांगन
12.राग शास्त्र – डॉ. गीता बैनर्जी
13.संगीत मणि – डॉ. महारानी शर्मा

परिशिष्ठ क्र.–12

सहायक विषय
(सुगम संगीत)
बी. म्यूज.– द्वितीय वर्ष
तृतीय सेमेस्टर
प्रायोगिकः- प्रदर्शन एवं मौखिक

पूर्णांक : 50

1 निम्नलिखित संत, गीतकार एवं शायरों के चार भजन, चार गीत एवं चार गजलों का प्रशिक्षण।
(1) तुलसीदास (2) सूरदास (3) मीराबाई (4) गुरूनानक (5) कबीर (6) निराला (7) नीरज (8) सुमित्रानंदन पंत (9) बच्च्न (10) फैज (11) गालिब (12) जफर (13) मीर (14) जिगर (15) महादेवी वर्मा

2 राग काफी एवं खमाज रागों में लक्षण गीत, सरगम, छोटा ख्याल का 5–5 तानों सहित गायन।

3 देश के किसी भी क्षेत्र में प्रचलित दो लोकगीत।

4 हारमोनियम बजाकर किसी एक रचना का गायन।

5 पाठ्यक्रम में निर्धारित तालों को ठाह, दुगुंन, चौगुन को हाथ से ताली देकर बोलने का अभ्यास :–
(अ) दीपचन्दी (ब) एकताल (स) रूपक

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखे गये रागो की स्वर लिपि/तोड़ो का विवरण
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिर्पोट

परिशिष्ठ क्र.–13

बी.म्यूज. द्वितीय वर्ष गायन/स्वरवाद्य
चतुर्थ सेमेस्टर
शास्त्र प्रश्न–पत्र
संगीत शास्त्र एवं रागों का अध्ययन

समय : 3 घण्टे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 85
सी. सी ई : 15
पूर्णांक : 100

इकाई–1

1 पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों की रचनाओं को पं. विष्णुनारायण भातखण्डे स्वरलिपि एवं ताल लिपि पद्धति में लिखने का अभ्यास।
2 संधिप्रकाश, परमेल प्रवेशक रागों की संक्षिप्त जानकारी।

इकाई–2

1 हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटकी स्वर सप्तकों का अध्ययन।
2 शास्त्रीय संगीत एवं उपशास्त्रीय संगीत का तुलनात्मक अध्ययन–ठुमरी,होरी,दादरा का ज्ञान।

इकाई–3

1 पूर्वराग, उत्तरराग की परिभाषा।
2 गमक की परिभाषा एवं उसके प्रकार।

इकाई–4

1 हस्सू खॉ, हद्दू खॉ, सदारंग, अदारंग का जीवन परिचय।
2 उ. बाबा अलाउद्दीन खॉ का संगीत के क्षेत्र में योगदान।

इकाई–5

1 पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों का शास्त्रीय विवेचन।
2 ताल धमार एवं दीपचन्दी को ठाह, दुगुन सहित तालिपि में लेखन।

प्रायोगिकः- प्रदर्शन एवं मौखिक

पूर्णांक : 150

1 पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं पाठ्यक्रम के रागों में अलंकारों का अभ्यास।

2 बागेश्री, देस, कामोद, तिलक कामोद, जौनपुरी, रामकली एवं कालिंगडा रागों में सरगम, लक्षण गीत, द्रुत ख्याल तथा 2 विलम्बित ख्याल आलाप तान सहित। वाद्य के विद्यार्थियों के लिये रजाखानी गत (कोई तीन) एवं सभी रागों में मसीतखानी गत (तान, आलाप सहित)।

3 पाठ्यक्रम के रागों में एक ध्रुपद, एक धमार (दुगुन, चौगुन सहित) एक तराना तथा वाद्य के विद्यार्थियों के लिये धुन।

4 एकताल, त्रिताल, झपताल तथा धमार की दुगुन एवं चौगुन ।

:संदर्भ ग्रंथः

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत शास्त्र दर्पण – श्री शांति गोवर्धन
4. संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
5. सितार मलिका –
6. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – श्री रामाश्रय झा
7. संगीत बोध – श्री शरदचन्द्र परांजपे
8. संगीत वाद्य – श्री लालमणि मिश्र
9 .हमारे संगीत रत्न – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
10.चतुरंग – श्री सज्जनलाल भट्ट
11.संगीत शास्त्र – श्री तुलसीराम देवांगन
12.राग शास्त्र – डॉ. गीता बैनर्जी
13.संगीत मणि – डॉ. महारानी शर्मा

परिशिष्ठ क्र.–14

lgk;d fo"k;

ch- E;wt- द्वितीय वर्ष **prqFkZ lsesLVj**

xk;u@Loj ok|

yksd laxhr izk;ksfxd:- प्रदर्शन एवं मौखिक

iw.kkZa d&100

1- vyadkj dk lkekU; Kku ¼ftl Loj ;k FkkV ds Loj ml xhr esa yxrs gSa mUgha FkkVksa ;k Lojksa esa vyadkj djkuk gSA½

2- rkyksa dk O;ogkfjd KkuA nknjk dgjok nhipUnh vkfnA ¼yksd xhrksa esa iz;ksx gksus okys Bsds ,oa rkyksa dk Kku½

3- vius izns'k ds vapyksa ds ,d&,d yksd xhrksa dk fuEukuqlkj O;ogkfjd Kku &

¼v½- laLdkj xhr] ¼c½- _rq xhr ¼l½- Je xhr ¼n½- mRlo xhr

¼b½ euksjatu xhr

4- lh[kh gqbZ fdlh yksd jpuk dks gkekZsfu;e ij ctkdj xkus dk vH;klA

5 vius izns'k ds vapyksas ds lh[ks gq;s yksdxhrksa esa 'kkL=h; laxhr ds rRo vkSj yksdxhr rFkk 'kkL=h; laxhr ls lEcU/kA

6 fuEufyf[kr Hkkjr ds izeq[k izfrfuf/k yksdxhrksa dk volj] Loj i{k] iz;qDr gksus okys ok|] y; o rky rFkk HkkokFkZ lfgr fdUgha rhu dk O;ogkfjd KkuAcqUnsy[k.Mh ¼e/;izns'k½] yko.kh] iksokM+k ¼egkjk"Va½] xjck ¼xqtjkr½] fonsf'k;k ¼fcgkj½] HkkaxM+k ;k VIik ¼iatkc½] ckny ;k HkfV;kyh ¼if'pe caxky½] chgw ¼vle½] pSrh ;k dtjh ¼mRrj izns'k½] ukVh ;k fxn~nk ¼fgekpy izns'k½] mfM+;k ¼mM+hlk½] e.khiqjh ¼ef.kiqj½] vks.ke ¼dsjy½] ekFkqjh ¼vkU/kz izns'k½] vkfnA

7 lh[ks gq;s yksd xhrksas ds lkFk ok|ksa dks ctkus dk lkekU; KkuA

8 lh[ks gq;s fdlh Hkh yksd jpuk dks Lojc) djus dk vH;klA

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखे गये रागो की स्वर लिपि/तोड़ो का विवरण
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिर्पोट

परिशिष्ठ क.–15

बी.म्यूज. तृतीय वर्ष गायन/स्वरवाद्य
पंचम सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न–पत्र

समय : 3 घण्टे **संगीत का इतिहास** **शास्त्र प्रश्न पत्र : 63**
सी. सी ई.: 12
पूर्णांक : 75

इकाई–1

1 भरत के नाट्यशास्त्र में भरत द्वारा वीणा पर बाईस श्रुतियों में सप्त स्वरों की स्थापना के संदर्भ में पं. विष्णु नारायण भातखण्डे एवं पं. ओमकारनाथ ठाकुर द्वारा बताये गये सिद्धांतों का समीक्षात्मक अध्ययन।

2 राग के समय सिद्धांत की जानकारी।

इकाई–2

1 संगीत रत्नाकर के आधार पर वर्ण, अलंकार एव गमक के लक्षणों एवं प्रकारों का अध्ययन।

2 वादी, संवादी का राग गायन में महत्व।

इकाई–3

1 वाद्य वर्गीकरण की सामान्य जानकारी।

2 शुद्ध, छायालग एवं संकीर्ण रागों का सामान्य परिचय।

इकाई–4

1 गांधर्व गान, मार्गी देशी का सामान्य परिचय।

2 शास्त्रीय संगीत के घरानों का सामान्य अध्ययन।

इकाई–5

1 गीतियॉ एवं गीतियों के प्रकार।

2 पं. कृष्णराव शंकर पंडित, पं. राजाभैया पूछवाले एवं उस्ताद बिस्मिल्लाह खॉ का जीवन परिचय।

बी.म्यूज. तृतीय वर्ष गायन/स्वर वाद्य
सेमेस्टर पंचम
शास्त्र द्वितीय प्रश्न–पत्र
संगीत की शैलियों रागो एवं तालो का अध्ययन

समय : 3 घण्टे **शास्त्र प्रश्न पत्र : 63**
सी. सी ई.: 12
पूर्णांक : 75

इकाई–1

1 रागांग वर्गीकरण का परिचय।

2 कल्याण एवं भैरव रागांग की जानकारी।

इकाई–2

1 गायन एवं वाद्य के विद्यार्थियों के लिये तानपुरा तथा अपने वाद्य का ऐतिहासिक अध्ययन

2 पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों का शास्त्रीय विवेचन

इकाई–3

1 अविर्भाव, तिरोभाव, अनुलोम विलोम, घसीट, जमजमा कृंतन एवं तोडा की परिभाषा।

2 आलाप, बोल आलाप एवं स्वर वाद्य के संदर्भ में आलाप, जोड, झाला की विस्तृत जानकारी।

इकाई–4

1 संगीत विषय पर 400 शब्दों का निबंध।

2 गत वर्ष के पाठ्यक्रम के तालों के अतिरिक्त पंचम सवारी को आड एवं कुआड लय में लिखने का अभ्यास।

इकाई–5

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों का उनके सम प्राकृतिक रागों के साथ तुलनात्मक विवेचन।

2. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों की ध्रुपद, धमार तथा विलम्बित एवं मध्य लय की रचनाओं को लिखने का अभ्यास।

प्रायोगिक:-1 प्रदर्शन एवं मौखिक

पूर्णांक : 150

1 पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं पाठ्यक्रम के रागों में अलंकारों का अभ्यास।

2 शुद्धकल्याण, जयजयवन्ती, दरबारी कान्हडा, मियॉ मल्हार, अडाणा, बहार, बिहाग एवं भैरवी विभास, कलावती, हंसध्वनि एवं मारूबिहाग रागों में सरगम, लक्षण गीत, मध्य ख्याल तथा दो विलम्बित ख्याल आलाप तान सहित। वाद्य के विद्यार्थियों के लिये रजाखानी गत (कोई तीन) एवं मसीतखानी गत सभी रागों में (आलाप, तान सहित)।

3 पाठ्यक्रम के रागों में एक ध्रुपद एक धमार (दुगुन, तिगुन, चौगुन सहित) एक तराना। वाद्य के विद्यार्थियों के लिये धुन।

4 धमार, तिलवाडा, चौताल, तीव्रा, सूलताल का ज्ञान एवं दुगुन चौगुन हाथ पर ताली देकर प्रदर्शन।

प्रायोगिक:-2 मंच प्रदर्शन

पूर्णांक : 100

1 पाठ्यक्रम के रागों का विस्तृत गायकी एवं तंत्रकारी के साथ प्रदर्शन करना।

(बडा ख्याल छोटा ख्याल सहित)।

2 परीक्षक द्वारा पूछे गये पाठ्यक्रम के रागों की प्रस्तुति।

3 ठुमरी–दादरा का गायकी के साथ प्रदर्शन। वाद्य के विद्यार्थी धुन की प्रस्तुति देंगे।

राग– तिलंग, शिवरंजनी, भैरवी

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखे गये रागो की स्वर लिपि/तोड़ो का विवरण
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिर्पोट

:संदर्भ ग्रंथः

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत शास्त्र दर्पण – श्री शांति गोवर्धन
4. संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
5. सितार मलिका –
6. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – श्री रामाश्रय झा
7. संगीत बोध – श्री शरदचन्द्र परांजपे
8. संगीत वाद्य – श्री लालमणि मिश्र
9 .हमारे संगीत रत्न – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग

10.चतुरंग – श्री सज्जनलाल भट्ट
11.संगीत शास्त्र – श्री तुलसीराम देवांगन
12.राग शास्त्र – डॉ. गीता बैनर्जी
13.संगीत मणि – डॉ. महारानी शर्मा

परिशिष्ठ क.–16

बी.म्यूज. तृतीय वर्ष गायन/स्वरवाद्य
सेमेस्टर षष्टम
शास्त्र प्रथम प्रश्न–पत्र
संगीत पद्धतियों का सामान्य अध्ययन

समय : 3 घण्टे **शास्त्र प्रश्न पत्र : 63**
सी. सी ई. : 12
पूर्णांक : 75

इकाई–1

1. टोन, मेजरटोन, माईनर टोन, सेमीटोन का सामान्य ज्ञान।
2. स्केल, नेचरल स्केल, डायटोनिक स्केल का सामान्य परिचय।

इकाई–2

1. हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटक तालों का तुलनात्मक अध्ययन।
2. राग के ग्रह आदि (दस लक्षण) लक्षणों का विस्तृत अध्ययन।

इकाई–3

1. स्टाफ नोटेशन पद्धति की सामान्य जानकारी।
2. रविन्द्र संगीत की सामान्य जानकारी।

इकाई–4

1. टप्पा, चैती, कजरी तथा कव्वाली का परिचय।
2. ताललिपि में धमार, चौताल, झूमरा, आडाचौताल तथा सूलताल का लेखन।

इकाई–5

1. तत (तंत्री) अवनद्ध, घन, एवं सुषिर वाद्य वर्गीकरण का अध्ययन।
2. पं. ओंकारनाथ ठाकुर, पं. वी.जी. जोग, उ. हाफिज अली खॉ का जीवन परिचय।

बी.म्यूज. तृतीय वर्ष गायन/स्वर वाद्य
सेमेस्टर षष्टम
शास्त्र–द्वितीय प्रश्न–पत्र
संगीत शैली, घरानों एवं रागों का सामान्य अध्ययन

समय : 3 घण्टे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 63
सी.सी ई. : 15
पूर्णांक : 75

इकाई–1

1 अहोबल द्वारा वीणा के तार पर शुद्ध विकृत स्वरों की स्थापना।

2 ग्राम राग देसी राग एवं राग रागिनी वर्गीकरण का परिचय।

इकाई–2

1 पं. व्यंकटमुखी के 72 मेल की जानकारी।

2 उत्तर भारतीय संगीत में एक सप्तक में 32 थाटों की निर्माण विधि।

इकाई–3

1 स्वर वाद्य के मुख्य घरानों का अध्ययन।

2 ख्याल गायन के ग्वालियर, आगरा, पटियाला, जयपुर और किराना घरानों की विशेषताओं का सामान्य परिचय।

इकाई–4

1 पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों का शास्त्रीय विवेचन।

2 पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों की विलम्बित एवं मध्य लय की रचनाओं का ताल एवं स्वरलिपि में लेखन।

इकाई–5

1 जीवनियॉः– पं.गजाननराव जोशी,पं. पन्नालाल घोष।

2 जीवनियॉ एवं सांगितिक योगदान :– उ.अब्दुल करीम खॉ, उ.बडे गुलाम अली खॉ,

प्रायोगिकः-1 प्रदर्शन एवं मौखिक

पूर्णांक : 150

1 पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं पाठ्यक्रम के रागों में अलंकारों का अभ्यास।

2 तोडी, शंकरा, सिंधूरा तथा मुलतानी पूरियाधनाश्री,गौड सारंग ललित छायानट, बसंत, परज, पूरिया, मारवा एवं सोहनी रागों में सरगम, लक्षणगीत, मध्य ख्याल तथा दो विलम्बित ख्याल आलाप तान सहित। वाद्य के विद्यार्थियों के लिये रजाखानी गत (कोई तीन) एवं सभी रागों में मसीतखानी गत (आलाप, तान सहित)।

3 पाठयक्रम के रागों में ध्रुपद, धमार, तथा तराना (1–1)। वाद्य के विद्यार्थियों के लिये धुन।

4 त्रिताल, चौताल, एकताल, कहरवा तथा झपताल का दुगुन, तिगुन तथा चौगुन लय में हाथ से ताली देकर प्रदर्शन।

प्रायोगिक–2 मंच प्रदर्शन

समय 30 सेकण्ड **पूर्णांकः 100**

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों का विस्तृत गायकी एवं तंत्रकारी के साथ प्रदर्शन करना।
2. परीक्षक द्वारा पूछे गये पाठ्यक्रम के रागों की प्रस्तुति।
3. ठुमरी–दादरा को गायकी के साथ प्रदर्शन। वाद्य के विद्यार्थी धुन की प्रस्तुति देंगे।

राग– खमाज, काफी, भैरवी।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1.कक्षा में सीखे गये रागो की स्वर लिपि/तोड़ो का विवरण

2.विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिर्पोट

:संदर्भ ग्रंथः

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत शास्त्र दर्पण – श्री शांति गोवर्धन
4. संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
5. सितार मलिका –
6. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – श्री रामाश्रय झा
7. संगीत बोध – श्री शरदचन्द्र परांजपे
8. संगीत वाद्य – श्री लालमणि मिश्र
9 .हमारे संगीत रत्न – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
10.चतुरंग – श्री सज्जनलाल भट्ट

11.संगीत शास्त्र	– श्री तुलसीराम देवांगन
12.राग शास्त्र	– डॉ. गीता बैनर्जी
13.संगीत मणि	– डॉ. महारानी शर्मा
14.प्रणव भारती भाग 1 से 7	– पं. ओमकारनाथ ठाकुर
15.संगीतांजली भाग 1 से 7	– पं. ओमकारनाथ ठाकुर

परिशिष्ठ क.–17

बी.ए. प्रथम वर्ष –गायन/स्वरवाद्य
प्रथम सेमेस्टर
शास्त्र प्रश्न–पत्र
संगीत का विज्ञान एवं रागों का विवेचनात्मक अध्ययन

शास्त्र प्रश्न पत्र : 42
समय : 3 घण्टे सी. सी ई : 8
पूर्णांक : 50

इकाई–1

1. परिभाषाएँ :– संगीत, लय, ताल, श्रुति, स्वर (शुद्ध, विकृत), सप्तक, थाट एवं राग।
2. दस थाटों के नाम व स्वर, राग एवं थाटों का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई –2

1. आश्रय राग, वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी, वर्जित स्वर, आरोह, अवरोह व जाति का सामान्य अध्ययन।
2. संगीत में शिक्षण की विधि।

इकाई–3

1. नाद की परिभाषा, प्रकार व विशेषताएँ।
2. गायन के परीक्षार्थियों के लिये तानपुरा तथा वाद्य के परीक्षार्थियों के लिये अपने–अपने वाद्य का सामान्य परिचय तथा उनके विभिन्न अवयवों का सचित्र ज्ञान।

इकाई–4

1. ध्रुपद, धमार, ख्याल, तराना, लक्षणगीत, स्वरमालिका (सरगम), मसीतखानीगत व रजाखानी गत का परिचय।

2. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों का वर्णन। (यमन, भैरव, खमाज, दुर्गा (बिलावल थाट)वृन्दावनी सारंग)

इकाई–5

1. पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे का जीवन परिचय एवं संगीत के क्षेत्र में उनका योगदान।
2. पाठ्यक्रम के निर्धारित तालों को ठाह लय में लिखने का अभ्यास। (त्रिताल,एकताल, दादरा एवं कहरवा)

बी.ए. प्रथम वर्ष –गायन/स्वरवाद्य
प्रथम सेमेस्टर
प्रायोगिकः- प्रदर्शन एवं मौखिक

पूर्णांक : 100

1. पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं प्रारम्भिक दस अलंकारों का अभ्यास।
2. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों –यमन, भैरव, खमाज, दुर्गा (बिलावल थाट), वृन्दावनी सारंग में सरगम, लक्षणगीत, छोटा ख्याल । वाद्य के विद्यार्थियों के लिये रजाखानी गत (किन्हीं दो रागों में) एवं सभी रागों में मसीतखानी गत का प्रदर्शन।
3. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में एक ध्रुपद या एक धमार एवं एक तराना। वाद्य के विद्यार्थियों के लिये किसी धुन को अपने वाद्य पर प्रस्तुत करना।
4. वन्दे मातरम् का स्वरलय में गायन अथवा वादन।
5. त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा तालों का हाथ से ताली देकर प्रदर्शन तथा दुगुन का अभ्यास।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखे गये रागो की स्वर लिपि/तोड़ो का विवरण
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिर्पोट

:संदर्भ ग्रंथः

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत शास्त्र दर्पण – श्री शांति गोवर्धन

4. संगीत विशारद	– श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
5. सितार मलिका	–
6. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5	– श्री रामाश्रय झा
7. संगीत बोध	– श्री शरदचन्द्र परांजपे
8. संगीत वाद्य	– श्री लालमणि मिश्र
9 .हमारे संगीत रत्न	– श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
10.चतुरंग	– श्री सज्जनलाल भट्ट
11.संगीत शास्त्र	– श्री तुलसीराम देवांगन
12.राग शास्त्र	– डॉ. गीता बैनर्जी
13.संगीत मणि	– डॉ. महारानी शर्मा
14.प्रणव भारती	– पं. ओमकारनाथ ठाकुर
15.संगीतांजली	– पं. ओमकारनाथ ठाकुर

परिशिष्ठ क.–18

बी.ए. प्रथम वर्ष –गायन/स्वरवाद्य
द्वितीय सेमेस्टर
शास्त्र प्रश्न–पत्र
संगीत के ि◌यात्मक सिंद्वात

शास्त्र प्रश्न पत्र : 42
समय : 3 घण्टे सी. सी ई.: 8
पूर्णांक : 50

इकाई–1

1. मींड, कण, खटका, मुर्की, आलाप, तान, बोल (मिजराब/जवा के बोल) (प्रहार) आकर्ष (अपकर्ष), सूत, जमजमा और तोडा का पारिभाषिक परिचय।
2. लय (विलंबित, मध्य, द्रुत), ठाह, दुगुन, मात्रा, ताल, विभाग, सम, ताली, खाली, ठेका व आवर्तन की जानकारी।

इकाई–2

1. गायक/वादक के गुण–दोष।
2. शास्त्रीय संगीत, सुगम संगीत एवं लोकगीत का ज्ञान तथा गीत, गजल, होरी का परिचय एवं महत्व।

इकाई–3

1. राजा मानसिंह तोमर, स्वामी हरिदास का जीवन परिचय तथा संगीत के क्षेत्र में उनका योगदान।
2. भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति का अध्ययन।

इकाई–4

1. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों का शास्त्रीय परिचय– बिलावल, अल्हैया बिलावल, भूपाली, भीमपलासी, काफी।
2. निम्न अ एवं ब को पं. विष्णु नारायण भातखण्डे पद्धति में लिखने का अभ्यास :–
   (अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिये –
      1 पाठ्यक्रम के रागों में स्वरमालिका या लक्षणगीत।

2 पाठ्यक्रम के रागों में एक मध्य लय ख्याल।

(ब) स्वरवाद्य के परीक्षार्थियों के लिये –

1 पाठ्यक्रम के रागों में एक–एक विलंबित गत या मसीतखानी गत।

2 पाठ्यक्रम के रागों में से एक मध्य लय गत अथवा रजाखानी।

इकाई–5

1. पाठ्यक्रम के निर्धारित तालों को ठाह, लय एवं दुगुन में लिखने का अभ्यास झपताल, चौताल, धमार तथा त्रिताल।
2. लगभग 300 शब्दों में संगीत संबंधी किसी कार्यक्रम का वर्णन।

बी.ए. प्रथम वर्ष –गायन/स्वरवाद्य
द्वितीय सेमेस्टर
प्रायोगिकः- प्रदर्शन एवं मौखिक

पूर्णांक : 100

1. पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में सरगम, लक्षण गीत, छोटाख्याल एवं एक बडा ख्याल। वाद्य के विद्यार्थियों के लिये मसीतखानीगत एवं रजाखानी गत (कोई दो)

   बिलावल, अल्हैया बिलावल, भूपाली, भीमपलासी, काफी
2. पाठ्यक्रम के निर्धारित में एक ध्रुपद, एक धमार, तथा एक तराना। वाद्य के विद्यार्थियों के लिये किसी एक राग में तीन ताल से भिन्न अन्य ताल में कोई रचना या धुन का अपने वाद्य पर प्रदर्शन।
3. झपताल, चौताल, धमार तथा त्रिताल का हाथ से ताली देकर प्रदर्शन तथा दुगुन या चौगुन का प्रदर्शन।
4. भजन/देशभक्ति गीत का स्वरलय में गायन अथवा वादन।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखे गये रागो की स्वर लिपि/तोड़ो का विवरण
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिर्पोट

:संदर्भ ग्रंथः

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे

2. संगीत प्रवीण दर्शिका	– श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत शास्त्र दर्पण	– श्री शांति गोवर्धन
4. संगीत विशारद	– श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
5. सितार मलिका	–
6. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5	– श्री रामाश्रय झा
7. संगीत बोध	– श्री शरदचन्द्र परांजपे
8. संगीत वाद्य	– श्री लालमणि मिश्र
9 .हमारे संगीत रत्न	– श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
10.चतुरंग	– श्री सज्जनलाल भट्ट
11.संगीत शास्त्र	– श्री तुलसीराम देवांगन
12.राग शास्त्र	– डॉ. गीता बैनर्जी
13.संगीत मणि	– डॉ. महारानी शर्मा
14.प्रणव भारती	– पं. ओमकारनाथ ठाकुर
15.संगीतांजली	– पं. ओमकारनाथ ठाकुर

परिशिष्ठ क्र.–19

बी.ए. द्वितीय वर्ष –गायन/स्वरवाद्य
तृतीय सेमेस्टर
शास्त्र प्रश्न–पत्र
संगीत का इतिहास एवं रागों का अध्ययन

समय : 3 घण्टे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 42
सी. सी ई .: 8
पूर्णांक : 50

इकाई–1

1. बाईस श्रुतियों में वर्तमान सप्तक की स्वर स्थापना (भरत के अनुसार)।
2. स्थायी, अंतरा, संचारी, आभोग का अध्ययन।

इकाई–2

1 पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों का शास्त्रीय विवेचन।
2 पाठ्यक्रम के रागों को भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति में लिखने का अभ्यास।

इकाई–3

1 पूर्वांग, उत्तरांग, वर्ण, अलंकार (पल्टा)।
2 अल्पत्व, बहुत्व, निबद्ध, अनिबद्ध की परिभाषा।

इकाई–4

1 संगीत की उत्पत्ति के विभिन्न मत।
2 संगीतोपयोगी ध्वनि की विशेषताएँ।

इकाई–5

1 पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर एवं अमीर खुसरो का संगीत में योगदान।

2 तानसेन का जीवन परिचय।

प्रायोगिकः- प्रदर्शन एवं मौखिक

पूर्णांक : 100

1 पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों (मालकौंस, देशकार, आसावरी, केदार एवं हमीर) में

सरगम, लक्षणगीत, छोटा ख्याल तथा 2 बडे ख्याल ।

वाद्य के विद्यार्थियों के लिये रजाखानी गत (कोई दो) एवं मसीतखानी गत सभी रागों में (ताल आलाप सहित)।

2 पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में एक ध्रुपद तराना एवं भजन ।

वाद्य के परीक्षार्थियों के लिये त्रिताल के अलावा अन्य ताल में गत।

3. झपताल, तीनताल, चौताल, आडाचौताल तथा रूपक में दुगुन, चौगुन

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखे गये रागो की स्वर लिपि/तोड़ो का विवरण
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिर्पोट

:संदर्भ ग्रंथः

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत शास्त्र दर्पण – श्री शांति गोवर्धन
4. संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
5. सितार मलिका –
6. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – श्री रामाश्रय झा
7. संगीत बोध – श्री शरदचन्द्र परांजपे
8. संगीत वाद्य – श्री लालमणि मिश्र
9 .हमारे संगीत रत्न – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
10.चतुरंग – श्री सज्जनलाल भट्ट
11.संगीत शास्त्र – श्री तुलसीराम देवांगन
12.राग शास्त्र – डॉ. गीता बैनर्जी
13.संगीत मणि – डॉ. महारानी शर्मा
14.प्रणव भारती – पं. ओमकारनाथ ठाकुर
15.संगीतांजली – पं. ओमकारनाथ ठाकुर

परिशिष्ठ क.–20

बी.ए. द्वितीय वर्ष –गायन/स्वरवाद्य
चतुर्थ सेमेस्टर
शास्त्र प्रश्न–पत्र
संगीत शास्त्र एवं रागों का अध्ययन

समय : 3 घण्टे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 42
सी. सी ई. : 8
पूर्णांक : 50

इकाई–1

1 पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों की रचनाओं को पं. विष्णुनारायण भातखण्डे स्वरलिपि एवं ताल लिपि पद्धति में लिखने का अभ्यास।
2 संधिप्रकाश, परमेल प्रवेशक रागों की संक्षिप्त जानकारी।

इकाई–2

1 हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटकी स्वर सप्तकों का अध्ययन।
2 आलाप, तान की परिभाषा एवं तान के प्रकार।

इकाई–3

1 पूर्वराग, उत्तरांग की परिभाषा। वादी, संवादी का राग में महत्व।
2 गमक की परिभाषा एवं उसके प्रकार।

इकाई–4

1 हस्सू खॉ, हद्दू खॉ, सदारंग, अदारंग का जीवन परिचय।
2 उ. बाबा अलाउद्दीन खॉ का संगीत के क्षेत्र में योगदान।

इकाई–5

1 पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों का शास्त्रीय विवेचन। (बागेश्री, देस, कामोद, जौनपुरी, रामकली)
2 ताल धमार, दीपचन्दी को ठाह, दुगुन सहित तालिपि में लेखन।

प्रायोगिकः- प्रदर्शन एवं मौखिक

पूर्णांक : 100

1 पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं पाठ्यक्रम के रागों में अलंकारों का अभ्यास।

2 बागेश्री, देस, कामोद, तिलक कामोद, जौनपुरी, रामकली एवं कालिंगडा रागों में सरगम, लक्षण गीत, द्रुत ख्याल तथा 2 विलंबित ख्याल आलाप तान सहित। वाद्य के विद्यार्थियों के लिये रजाखानी गत (कोई तीन) एवं सभी रागों में मसीतखानी गत (तान, आलाप सहित)।

3 पाठ्यक्रम के रागों में एक ध्रुपद, एक धमार (दुगुन चौगुन सहित) एक तराना तथा वाद्य के विद्यार्थियों के लिये धुन।

4 एकताल, त्रिताल, झपताल तथा धमार की दुगुन एवं चौगुन

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखे गये रागो की स्वर लिपि/तोड़ो का विवरण
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिर्पोट

:संदर्भ ग्रंथः

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत शास्त्र दर्पण – श्री शांति गोवर्धन
4. संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
5. सितार मलिका –
6. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – श्री रामाश्रय झा
7. संगीत बोध – श्री शरदचन्द्र परांजपे
8. संगीत वाद्य – श्री लालमणि मिश्र
9 .हमारे संगीत रत्न – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
10.चतुरंग – श्री सज्जनलाल भट्ट
11.संगीत शास्त्र – श्री तुलसीराम देवांगन
12.राग शास्त्र – डॉ. गीता बैनर्जी
13.संगीत मणि – डॉ. महारानी शर्मा
14.प्रणव भारती – पं. ओमकारनाथ ठाकुर
15.संगीतांजली – पं. ओमकारनाथ ठाकुर

परिशिष्ठ क.–21

बी.ए. तृतीय वर्ष –गायन/स्वरवाद्य
पंचम सेमेस्टर
शास्त्र प्रश्न–पत्र
संगीत का इतिहास

समय : 3 घण्टे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 42
सी. सी ई. : 8
पूर्णांक : 50

इकाई–1

1 बाईस श्रुतियों के नाम एवं उनके शुद्ध स्वरों की स्थापना। (आधुनिक मतानुसार)
2. राग के समय सिद्धांत की जानकारी।

इकाई–2

1. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों का शास्त्रीय विवेचन।
   (दरबारी कान्हडा, मियॉ मल्हार, अडाणा, मुलतानी, बिहाग)
2. पाठ्यक्रम के रागों की विलम्बित एवं मध्यलय की रचनाओं को स्वरलिपि में लिखना।

इकाई–3

1 वाद्य वर्गीकरण की सामान्य जानकारी।
2 शुद्ध, छायालग एवं संकीर्ण रागों का सामान्य परिचय।

इकाई–4

1 गांधर्व गान, मार्गी देशी का सामान्य परिचय।
2 घरानों की परिभाषा एवं महत्व।

इकाई–5

1 ग्वालियर एवं आगरा घराने का सामान्य परिचय।
2 पं. कृष्णराव षंकर पंडित एवं पं. राजाभैया पूछवाले का जीवन परिचय।

प्रायोगिकः- प्रदर्शन एवं मौखिक

पूर्णांक : 100

1 पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं अलंकारों का अभ्यास।

2. दरबारी कान्हडा, बिहाग, मियॉ मल्हार, अडाणा एवं मुलतानी रागों में सरगम, लक्षण गीत, छोटा ख्याल तथा दो बडे ख्याल आलाप तान सहित। वाद्य के विद्यार्थियों के लिये रजाखानी गत (कोई दो) एवं मसीतखानी गत सभी रागों में (आलाप, तान सहित)।

3 पाठ्यक्रम के रागों में एक ध्रुपद एक धमार एक तराना। वाद्य के विद्यार्थियों के लिये धुन।

4 धमार,तिलवाडा, चौताल, तीव्रा, सूलताल का ज्ञान एवं दुगुन चौगुन हाथ पर ताली देकर प्रदर्शन।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखे गये रागो की स्वर लिपि/तोड़ो का विवरण
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिर्पोट

:संदर्भ ग्रंथः

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत शास्त्र दर्पण – श्री शांति गोवर्धन
4. संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
5. सितार मलिका –
6. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – श्री रामाश्रय झा
7. संगीत बोध – श्री शरदचन्द्र परांजपे
8. संगीत वाद्य – श्री लालमणि मिश्र
9 .हमारे संगीत रत्न – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
10.चतुरंग – श्री सज्जनलाल भट्ट
11.संगीत शास्त्र – श्री तुलसीराम देवांगन
12.राग शास्त्र – डॉ. गीता बैनर्जी
13.संगीत मणि – डॉ. महारानी शर्मा
14.प्रणव भारती – पं. ओमकारनाथ ठाकुर
15.संगीतांजली – पं. ओमकारनाथ ठाकुर

परिशिष्ठ क.–22

बी.ए.– तृतीय वर्ष गायन/स्वरवाद्य
सेमेस्टर षष्टम
शास्त्र प्रश्न–पत्र
संगीत पद्धतियों एवं रागों का सामान्य अध्ययन

समय : 3 घण्टे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 42
सी. सी ई.: 8
पूर्णांक : 50

इकाई–1

1. टोन, मेजरटोन, माईनर टोन, सेमीटोन का सामान्य ज्ञान।
2. स्केल, नेचरल स्केल, डायटोनिक स्केल का सामान्य परिचय।

इकाई–2

1. हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटक तालों का तुलनात्मक अध्ययन।
2. राग के ग्रह आदि (दस लक्षण) लक्षणों का विस्तृत अध्ययन।

इकाई–3

1. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों का शास्त्रीय विवेचन। (छायानट, पूरियाधनाश्री, तोडी, बसंत, परज)
2. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों को विलम्बित एवं मध्यलय की रचनाओं का स्वर एवं तालिपि में लेखन।

इकाई–4

1. ठुमरी, चैती, कजरी तथा कब्बाली का परिचय।
2. तालिपि में धमार, चौताल, झूमरा, आडाचौताल तथा सूलताल का लेखन।

इकाई–5

1. तत (तंत्री) अवनद्ध, घन, एवं सुषिर वाद्य वर्गीकरण का अध्ययन।
2. पं. ओंकारनाथ ठाकुर, पं. वी.जी. जोग, उ. हाफिज अली खॉ का जीवन परिचय।

प्रायोगिकः- प्रदर्शन एवं मौखिक

पूर्णांक : 100

1 पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं तोडी एवं भैरवी थाटों में 10–10 अलंकारों का अभ्यास।

2 छायानट, पूरियाधनाश्री, तोडी, बसंत एवं परज रागों में सरगम, लक्षणगीत, छोटाख्याल तथा दो बडे ख्याल आलाप तान सहित। वाद्य के विद्यार्थियों के लिये रजाखानी गत (कोई दो) एवं सभी रागों में मसीतखानी गत (आलाप, तान सहित)।

3 पाठयक्रम के रागों में ध्रुपद, धमार, तथा तराना (1–1)। वाद्य के विद्यार्थियों के लिये धुन।

4 त्रिताल, चौताल, एकताल, कहरवा तथा झपताल का दुगुन, तिगुन तथा चौगुन लय में हाथ से ताली देकर प्रदर्शन।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखे गये रागो की स्वर लिपि/तोड़ो का विवरण
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिर्पोट

:संदर्भ ग्रंथः

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत शास्त्र दर्पण – श्री शांति गोवर्धन
4. संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
5. सितार मलिका –
6. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – श्री रामाश्रय झा
7. संगीत बोध – श्री शरदचन्द्र परांजपे
8. संगीत वाद्य – श्री लालमणि मिश्र
9 .हमारे संगीत रत्न – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
10.चतुरंग – श्री सज्जनलाल भट्ट
11.संगीत शास्त्र – श्री तुलसीराम देवांगन
12.राग शास्त्र – डॉ. गीता बैनर्जी
13.संगीत मणि – डॉ. महारानी शर्मा

14.प्रणव भारती – पं. ओमकारनाथ ठाकुर
15.संगीतांजली – पं. ओमकारनाथ ठाकुर

परिशिष्ठ क.–23

बी. ए. ऑनर्स प्रथम वर्ष गायन/स्वरवाद्य
प्रथम सेमेस्टर
शास्त्र प्रश्न–पत्र
संगीत का विज्ञान एवं रागों का विवेचनात्मक अध्ययन

शास्त्र प्रश्न पत्र : 42
समय : 3 घण्टे सी. सी ई.: 8
पूर्णांक : 50

इकाई–1

1. परिभाषाएँ :– संगीत, स्वर (शुद्ध, विकृत), लय ताल, सप्तक।
2. दस थाटों के नाम।

इकाई –2

1. वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी, वर्जित स्वर, आरोह, अवरोह की सामान्य जानकारी।
2. राग की जाति का सामान्य अध्ययन।

इकाई–3

1. नाद की परिभाषा व प्रकार।
2. गायन के परीक्षार्थियों के लिये तानपुरा तथा वाद्य के परीक्षार्थियों के लिये अपने–अपने वाद्य का सामान्य परिचय।

इकाई–4

1. ख्याल, तराना, लक्षणगीत, स्वरमालिका (सरगम), मसीतखानीगत व रजाखानी गत का परिचय।
2. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों का वर्णन। (यमन, भैरव, खमाज, एवं आसावरी)

इकाई–5

1. पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे का जीवन परिचय एवं संगीत के क्षेत्र में उनका योगदान।

2. पाठ्यक्रम के निर्धारित तालों को ठाह लय में लिखने का अभ्यास।
(त्रिताल, एकताल, दादरा एवं कहरवा)

प्रायोगिकः- प्रदर्शन एवं मौखिक

पूर्णांक : 100

1. पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं अलंकारों का अभ्यास।
2. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों –यमन, भैरव, खमाज, तथा आसावरी में सरगम, लक्षणगीत, छोटा ख्याल एवं एक बडा ख्याल। वाद्य के विद्यार्थियों के लिये रजाखानी गत (किन्हीं दो रागों में) एवं सभी रागों में मसीतखानी गत का प्रदर्शन।
3. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में एक तराना एवं एक भजन। वाद्य के विद्यार्थियों के लिये किसी धुन को अपने वाद्य पर प्रस्तुत करना।
4. वन्दे मातरम् का स्वरलय में गायन अथवा वादन।
5. त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा तालों का हाथ से ताली देकर प्रदर्शन तथा दुगुन का अभ्यास।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखे गये रागो की स्वर लिपि/तोड़ो का विवरण
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिर्पोट

:संदर्भ ग्रंथः

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत शास्त्र दर्पण – श्री शांति गोवर्धन
4. संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
5. सितार मलिका –
6. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – श्री रामाश्रय झा
7. संगीत बोध – श्री शरदचन्द्र परांजपे
8. संगीत वाद्य – श्री लालमणि मिश्र
9 .हमारे संगीत रत्न – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
10.चतुरंग – श्री सज्जनलाल भट्ट
11.संगीत शास्त्र – श्री तुलसीराम देवांगन
12.राग शास्त्र – डॉ. गीता बैनर्जी
13.संगीत मणि – डॉ. महारानी शर्मा

14.प्रणव भारती – पं. ओमकारनाथ ठाकुर
15.संगीतांजली – पं. ओमकारनाथ ठाकुर

परिशिष्ठ क.–24

बी. ए. ऑनर्स प्रथम वर्ष गायन/स्वरवाद्य
द्वितीय सेमेस्टर
शास्त्र प्रश्न–पत्र
संगीत के कियात्मक सिद्वांत

शास्त्र प्रश्न पत्र : 42
समय : 3 घण्टे सी. सी ई.: 8
पूर्णांक : 50

इकाई–1

1. मींड, कण, खटका, मुर्की, आलाप, तान, सूत, और जमजमा का पारिभाषिक परिचय।
2. लय (विलंबित, मध्य, द्रुत), ठाह, दुगुन, मात्रा, ताल, विभाग, सम, ताली, खाली, ठेका व आवर्तन की जानकारी।

इकाई–2

1. गायक, वादक के गुण–दोष।
2. शास्त्रीय संगीत, सुगम संगीत एवं लोकगीत का ज्ञान।

इकाई–3

1 राजा मानसिंह तोमर, स्वामी हरिदास का जीवन परिचय तथा संगीत के क्षेत्र में उनका योगदान।
2 भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति का अध्ययन।

इकाई–4

1. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों का शास्त्रीय परिचय– बिलावल, अल्हैया बिलावल, भूपाली एवं काफी।
2. निम्न अ एवं ब को पं. विष्णु नारायण भातखण्डे पद्धति में लिखने का अभ्यास :–
   (अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिये –
   पाठ्यक्रम के रागों में स्वरमालिका या लक्षणगीत।

पाठ्यक्रम के रागों में एक एक मध्य लय ख्याल।
(ब) स्वरवाद्य के परीक्षार्थियों के लिये –
पाठ्यक्रम के रागों में एक विलंबित गत या मसीतखानी गत।
पाठ्यक्रम के रागों में से एक मध्य लय गत अथवा रजाखानी।

इकाई–5

1. पाठ्यक्रम के निर्धारित तालों को ठाह, लय एवं दुगुन में लिखने का अभ्यास झपताल, चौताल तथा त्रिताल।
2. लगभग 300 शब्दों में संगीत संबंधी विषय पर निबंध लेखन।

प्रायोगिकः- प्रदर्शन एवं मौखिक

पूर्णांक : 100

1. पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं अलंकारों का अभ्यास।
2. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में सरगम, लक्षण गीत, छोटाख्याल एवं एक बडा ख्याल। वाद्य के विद्यार्थियों के लिये मसीतखानी गत एवं रजाखानी गत (कोई दो)।
   बिलावल या अल्हैया बिलावल, भूपाली तथा काफी।
3. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में एक ध्रुपद, एक धमार, तथा एक तराना। वाद्य के विद्यार्थियों के लिये किसी एक राग में तीन ताल से भिन्न अन्य ताल में कोई रचना या धुन का अपने वाद्य पर प्रदर्शन।
4. झपताल, चौताल तथा त्रिताल का हाथ से ताली देकर प्रदर्शन तथा दुगुन या चौगुन का प्रदर्शन।
5. वन्दे मातरम/भजन/देशभक्ति गीत का स्वरलय में गायन अथवा वादन।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखे गये रागो की स्वर लिपि/तोड़ो का विवरण
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिर्पोट

:संदर्भ ग्रंथः

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत शास्त्र दर्पण – श्री शांति गोवर्धन
4. संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
5. सितार मलिका –
6. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – श्री रामाश्रय झा
7. संगीत बोध – श्री शरदचन्द्र परांजपे
8. संगीत वाद्य – श्री लालमणि मिश्र
9 .हमारे संगीत रत्न – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
10.चतुरंग – श्री सज्जनलाल भट्ट

11.संगीत शास्त्र	– श्री तुलसीराम देवांगन
12.राग शास्त्र	– डॉ. गीता बैनर्जी
13.संगीत मणि	– डॉ. महारानी शर्मा
14.प्रणव भारती	– पं. ओमकारनाथ ठाकुर
15.संगीतांजली	– पं. ओमकारनाथ ठाकुर

परिशिष्ठ क.–25

बी. ए. ऑनर्स तृतीय वर्ष गायन/स्वरवाद्य
पंचम सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न–पत्र
संगीत का इतिहास

समय : 3 घण्टे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 42
सी.सी ई. : 8
पूर्णांक : 50

इकाई–1

1 बाईस श्रुतियों के नाम एवं उनके शुद्ध स्वरों की स्थापना। (प्राचीन मतानुसार)
2 राग के समय सिद्धांत की जानकारी।

इकाई–2

1 गमक की परिभाषा एवं उसके प्रकार।
2 पाठ्यक्रम के रागों की विलम्बित एवं मध्यलय की रचनाओं को स्वरलिपि में लिखना।

इकाई–3

1 वाद्य वर्गीकरण की सामान्य जानकारी।
2 शुद्ध, छायालग एवं संकीर्ण रागों का सामान्य परिचय।

इकाई–4

1 गांधर्व गान, मार्गी देशी का सामान्य परिचय।

2 संगीत की उत्पत्ति की सामान्य जानकारी एवं घरानों की परिभाषा एवं महत्व।

इकाई–5

1 ग्वालियर एवं आगरा घराने का सामान्य परिचय।
2 पं. कृष्णराव शंकर पंडित एवं पं. राजाभैया पूछवाले का जीवन परिचय।

बी. ए. ऑनर्स तृतीय वर्ष गायन/स्वरवाद्य
पंचम सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न–पत्र
संगीत की शैलियां एवं रागों तालो का अध्ययन

समय : 3 घण्टे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 42
सी. सी ई.: 08
पूर्णांक : 50

इकाई –1

1. हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटकी स्वर सप्तकों का अध्ययन।
2. संधिप्रकाश, परमेल प्रवेशक रागों की संक्षिप्त जानकारी।

इकाई –2

1. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों का अन्य रागों से तुलनात्मक अध्ययन एवं शास्त्रीय विवेचन। (मालकौंस, देशकार, केदार, रागेश्री, हमीर)
2. शास्त्रीय संगीत, सुगम संगीत, लोक संगीत का ज्ञान तथा गीत, गजल, भजन का परिचय एवं महत्व।

इकाई–3

1. पूर्वराग, उत्तरांग, वादी, संवादी का राग गायन में महत्व।
2. स्थाई, अंतरा, संचारी तथा आभोग की परिभाषा।

इकाई –4

1. हस्सू खॉ, हद्दू खॉ, सदारंग, अदारंग का जीवन परिचय।
2. उ. बाबा अलाउद्दीन खॉ का संगीत के क्षेत्र में योगदान।

इकाई –5

1. समान मात्रा की तालों का तुलनात्मक अध्ययन।
2. ताल धमार, दीपचन्दी को ठाह एवं दुगुन लयकारी में लिखने का अभ्यास।

बी.ए.ऑनर्स तृतीय वर्ष गायन/स्वरवाद्य
पंचम सेमेस्टर
प्रायोगिक:-1 प्रदर्शन एवं मौखिक

पूर्णांक : 200

1 पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं अलंकारों का अभ्यास।

2 मालकौंस, देशकार, केदार, हमीर तथा रागेश्री रागों में सरगम, लक्षण गीत, छोटा ख्याल तथा दो छोटा ख्याल तथा दो बडे ख्याल आलाप तान सहित। वाद्य के विद्यार्थियों के लिये रजाखानी गत (कोई दो) एवं मसीतखानी गत सभी रागों में (आलाप, तान सहित)।

3 पाठ्यक्रम के रागों में एक ध्रुपद एक धमार एक तराना। वाद्य के विद्यार्थियों के लिये धुन।

4 धमार, तिलवाडा, चौताल, तीव्रा, सूलताल का ज्ञान एवं दुगुन चौगुन हाथ पर ताली देकर प्रदर्शन।

बी. ए. ऑनर्स तृतीय वर्ष गायन/स्वरवाद्य
पंचम सेमेस्टर
प्रायोगिक:-2 मंच प्रदर्शन

पूर्णांक : 150

1. पाठ्यक्रम के रागों में से किसी एक राग का विलंबित, द्रुत ख्याल एवं तराना सहित लगभग 30 मिनिट गायन।

2. पाठ्यक्रम के किसी भी राग में एक ध्रुपद अथवा धमार का लयकारियों सहित गायन।

अथवा

किसी एक भजन अथवा सुगम संगीत रचना की प्रस्तुति।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखे गये रागो की स्वर लिपि/तोड़ो का विवरण
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिर्पोट

:संदर्भ ग्रंथः

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत शास्त्र दर्पण – श्री शांति गोवर्धन
4. संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
5. सितार मलिका –
6. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – श्री रामाश्रय झा
7. संगीत बोध – श्री शरदचन्द्र परांजपे
8. संगीत वाद्य – श्री लालमणि मिश्र
9 .हमारे संगीत रत्न – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
10.चतुरंग – श्री सज्जनलाल भट्ट

11.संगीत शास्त्र	– श्री तुलसीराम देवांगन
12.राग शास्त्र	– डॉ. गीता बैनर्जी
13.संगीत मणि	– डॉ. महारानी शर्मा
14.प्रणव भारती	– पं. ओमकारनाथ ठाकुर
15.संगीतांजली	– पं. ओमकारनाथ ठाकुर

परिशिष्ठ क.–26

बी. ए. ऑनर्स तृतीय वर्ष गायन/स्वरवाद्य
सेमेस्टर षष्टम
प्रथम प्रश्न पत्र
संगीत पद्धतियों का सामान्य अध्ययन

समय : 3 घण्टे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 42
सी. सी ई.: 8
पूर्णांक : 50

इकाई–1

1. टोन, मेजरटोन, माईनर टोन, सेमीटोन का सामान्य ज्ञान।
2. स्केल, नेचरल स्केल, डायटोनिक स्केल का सामान्य परिचय।

इकाई–2

1. हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटक तालों का अध्ययन एवं तुलना।
2. राग के ग्रह आदि (दस लक्षण) लक्षणों का विस्तृत अध्ययन।

इकाई–3

1 पूर्वांग उत्तरांग एवं वर्ण अलंकार की जानकारी।

2 गुरू शिष्य परंपरा एवं संस्थागत शिक्षण

इकाई–4

1. गीत, गजल, भजन का परिचय एवं महत्व।
2. राग समय सिद्धांत की संक्षिप्त जानकारी।

इकाई–5

1. तत (तंत्री) अवनद्ध, घन, एवं सुषिर वाद्य वर्गीकरण का अध्ययन।
2. पं. ओंकारनाथ ठाकुर, पं. वी.जी. जोग, उ. हाफिज अली खॉ का जीवन परिचय।

बी. ए. ऑनर्स तृतीय वर्ष गायन/स्वरवाद्य
सेमेस्टर षष्टम
द्वितीय प्रश्न पत्र
संगीत शैलियों घरानों एवं रागों का सामान्य अध्ययन

समय : 3 घण्टे **शास्त्र प्रश्न पत्र : 42**
सी.सी ई. : 8
पूर्णांक : 50

इकाई–1

1. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों की रचनाओं को पं. विष्णु नारायण भातखण्डे स्वरलिपि एवं ताललिपि पद्धति में लेखन।
2. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों का शास्त्रीय विवेचन। (छायानट, भीमपलासी, तिलक कमोद, पटदीप, तोडी)

इकाई–2

1. स्वरवा| के मुख्य घरानों का अध्ययन ।
2. ख्याल गायन के ग्वालियर,आगरा,पटियाला,जयपुर और किराना घरानों का सामान्य परिचय।

इकाई–3

1. ताल के दस प्राणों का अध्ययन।

2 दीपचंदी, चौताल, झूमरा, आडाचौताल तथा सूलताल का तालिपि में लेखन।

इकाई–4

1. टप्पा, चैती, कजरी तथा कव्वाली का परिचय।
2. आड, कुआड, बिआड लयकारियों की परिभाषा।

इकाई–5

1. लयकारियों में पाठ्यक्रम के तालों को लिपिबद्ध करने का अध्ययन।
2. संगीत संबंधी विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबन्ध लेखन।

बी. ए. ऑनर्स तृतीय वर्ष गायन/स्वरवाद्य
सेमेस्टर षष्टम
प्रायोगिकः-1 प्रदर्शन एवं मौखिक

पूर्णांक : 200

1 पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं विभिन्न अलंकारों का अभ्यास।

2 छायानट, भीमपलासी, तिलक कामोद, पटदीप एवं तोडी, रागों में सरगम, लक्षणगीत, छोटाख्याल तथा दो बडे ख्याल आलाप तान सहित। वाद्य के विद्यार्थियों के लिये रजाखानी गत (कोई दो) एवं सभी रागों में मसीतखानी गत (आलाप, तान सहित)।

3 पाठयक्रम के रागों में ध्रुपद, धमार, तथा तराना (1–1)। वाद्य के विद्यार्थियों के लिये धुन।

4 त्रिताल, चौताल, एकताल, कहरवा तथा झपताल का दुगुन, तिगुन तथा चौगुन लय में हाथ से ताली देकर प्रदर्शन।

बी. ए. ऑनर्स तृतीय वर्ष गायन/स्वरवाद्य
सेमेस्टर षष्टम
प्रायोगिकः-2 मंच प्रदर्शन

पूर्णांक : 150

1. पाठ्यक्रम के रागों में से किसी एक राग का विलंबित, द्रुत ख्याल एवं तराना सहित लगभग 30 मिनिट गायन।
2. पाठ्यक्रम के किसी भी राग में एक ध्रुपद अथवा धमार का लयकारियों सहित गायन।

अथवा

किसी एक भजन अथवा सुगम संगीत रचना की प्रस्तुति।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखे गये रागो की स्वर लिपि/तोड़ो का विवरण
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिर्पोट

:संदर्भ ग्रंथः

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत शास्त्र दर्पण – श्री शांति गोवर्धन
4. संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
5. सितार मलिका –
6. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – श्री रामाश्रय झा
7. संगीत बोध – श्री शरदचन्द्र परांजपे
8. संगीत वाद्य – श्री लालमणि मिश्र
9 .हमारे संगीत रत्न – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
10.चतुरंग – श्री सज्जनलाल भट्ट
11.संगीत शास्त्र – श्री तुलसीराम देवांगन
12.राग शास्त्र – डॉ. गीता बैनर्जी
13.संगीत मणि – डॉ. महारानी शर्मा
14.प्रणव भारती – पं. ओमकारनाथ ठाकुर
15.संगीतांजली – पं. ओमकारनाथ ठाकुर